भारत सरकार
वस्त्र मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 3987
27.03.2026 को जवाब दिया

कृषि विकास के लिए कृषि-वस्त्रों को बढ़ावा देना

3987. श्री अशोकराव शंकरराव चव्हाणः
श्री नारायण कोरागप्पाः
डा. अनिल सुखदेवराव बोंडे:
श्री केसरीदेवसिंह झालाः
श्रीमती किरण चौधरीः
श्री शंभू शरण पटेलः
श्री बाबू राम निषादः
श्रीमती सीमा द्विवेदीः

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने कृषि विकास हेतु कृषि वस्त्रों के उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किसानों के प्रशिक्षण और लाभ के लिए एक स्मार्ट कृषि-वस्त्र केंद्र आरंभ किया है;

(ख) यदि हाँ, तो इस पहल के तहत शामिल उत्पादों की सूची, ऐसे केंद्र की स्थापना में आई लागत और अब तक स्थापित ऐसे केंद्रों की कुल संख्या सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) इस पहल के अंतर्गत आज की तिथि तक प्रशिक्षित किसानों की कुल संख्या कितनी है; और

(घ) मंत्रालय द्वारा देशभर के किसानों तक इस कार्यक्रम का लाभ पहुँचाने के लिए क्या कार्यनीति अपनाई गई है?

उत्तर

वस्त्र मंत्री
(श्री गिरिराज सिंह)

(क) से (ग): राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन (एनटीटीएम) के तहत, गुजरात के नवसारी में एक क्लाइमेट-स्मार्ट एग्रो-टेक्सटाइल प्रदर्शन केंद्र को दिसंबर, 2024 में 3.75 करोड़ रुपये की लागत से मंजूरी दी गई है। इसका उद्देश्य लाइव प्रदर्शनों, किसानों के लिए प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से कृषि क्षेत्र के लिए नवीन और सस्टेनेबल कृषि-वस्त्र अनुप्रयोगों को बढ़ावा देना है ताकि उत्पादकता बढ़ाई जा सके, लागत कम की जा सके, जलवायु लचीलापन में सुधार किया जा सके और सस्टेनेबल प्रैक्टिसेस को प्रोत्साहित किया जा सके। केंद्र में, कई कृषि-वस्त्र उत्पादों का प्रदर्शन किया जा रहा है, जिनमें शेड नेट, शेड नेट के तहत वर्टिकल फार्मिंग, फोटो सेलेक्टिव शेड नेट, शेड नेट नर्सरी, जूट और वुवन ग्राउंड कवर, फसल कवर, शेड नेट के तहत वर्मी - बेड, पॉन्ड लाइनर, फेंसिंग नेट और क्रॉप सपोर्ट नेट /ट्रेलाइजिंग रोप्स शामिल हैं। डेमो सेंटर को सिंथेटिक एंड आर्ट सिल्क मिल्स रिसर्च एसोसिएशन (ससमीरा) द्वारा संचालित किया जा रहा है। गुजरात के नवसारी में क्लाइमेट-स्मार्ट एग्रो-टेक्सटाइल प्रदर्शन केंद्र में कुल 815 किसानों को प्रशिक्षित किया गया है।

इसके अलावा, बिहार के पूसा में 4.22 करोड़ रुपये की लागत से एक और क्लाइमेट-स्मार्ट एग्रो-टेक्सटाइल प्रदर्शन केंद्र को मंज़ूरी दी गई है।

(घ): एनटीटीएम देश में तकनीकी वस्त्रों को बढ़ावा देने के लिए एक अखिल भारतीय पहल है, जिसमें एग्रो-टेक्सटाइल भी शामिल है। मिशन का रणनीतिक ध्यान एग्रो-टेक्सटाइल पर है, जो खेती की सस्टेनेबिलिटी और उत्पादकता बढ़ाने में इसकी अहम भूमिका को पहचानता है। एनटीटीएम के तहत की गई पहलें अनुसंधान, विकास और नवाचार, बाजार विकास, निर्यात संवर्धन और शिक्षा और कौशल पर केंद्रित है।

******